समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 02 September 2026

अमेरिका-ईरान तनाव से शेयर बाजार मे भूचाल, सेसेंक्स 700 अंक टूटा, निफ्टी 200 अंक से ज्यादा फिसला ; क्रूड 96 डॉलर के पार

Sanket Morankar Published on 02 Sep 2026

बुधवार, **2 सितंबर 2026** की सुबह भारतीय शेयर बाजार के लिए भारी गिरावट लेकर आई। अमेरिका और ईरान के बीच रातोंरात बढ़े सैन्य तनाव और हवाई हमलों की खबरों ने वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ा दी। इसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा और कारोबारी सत्र की शुरुआत में ही निवेशकों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा।

शुरुआती कारोबार में **सेसेंक्स करीब 700 अंक टूट गया**, जबकि **निफ्टी 200 अंकों से अधिक फिसल गया**। इस दौरान बाजार में व्यापक बिकवाली देखने को मिली और सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से लगभग सभी शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आए।

अमेरिका-ईरान तनाव से बिगड़ा वैश्विक बाजार का माहौल

अमेरिकी प्रशासन की ओर से ईरान में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए जाने की पुष्टि के बाद तनाव और बढ़ गया। इसके जवाब में ईरान की ओर से भी पलटवार किया गया।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े इस सैन्य तनाव ने निवेशकों के बीच अनिश्चितता पैदा कर दी। इसका असर केवल अमेरिकी बाजार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एशियाई बाजारों समेत दुनिया के कई वित्तीय बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी।

वैश्विक स्तर पर बढ़ी इस चिंता का असर भारतीय दलाल स्ट्रीट पर भी देखने को मिला और निवेशकों ने शुरुआती कारोबार में जमकर बिकवाली की।

प्री-ओपनिंग में ही मिल गए थे भारी गिरावट के संकेत

भारतीय शेयर बाजार खुलने से पहले ही कमजोर शुरुआत के संकेत मिलने लगे थे। प्री-ओपनिंग कारोबार में **सेसेंक्स करीब 540**

अंक गिरकर 76,397.24 के स्तर पर पहुंच गया था।

वहीं **निफ्टी 203 अंक फिसलकर 23,852.05** के स्तर पर कारोबार करता दिखाई दिया। सुबह करीब 7:38 बजे **गिफ्ट निफ्टी फ्यूचर्स 24,033.5** के स्तर पर था।

मंगलवार को निफ्टी **24,055.8** के स्तर पर बंद हुआ था। ऐसे में बुधवार की कमजोर शुरुआत ने बाजार में निवेशकों की चिंता को और बढ़ा दिया।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में सिर्फ सनफार्मा हरे निशान में

शुरुआती कारोबार में बाजार की चौतरफा कमजोरी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता था कि सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में **सिर्फ सनफार्मा का शेयर हरे निशान मे** कंारोबार करता नजर आया।

बाकी प्रमुख कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वैश्विक बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच निवेशकों ने जोखिम वाली परिसंपत्तियों से दूरी बनाई और व्यापक स्तर पर बिकवाली देखने को मिली।

क्रूड ऑयल की कीमत 96 डॉलर के पार

अमेरिका-ईरान तनाव का सबसे बड़ा असर कच्चे तेल के बाजार पर देखने को मिला। **ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 2 फीसदी बढ़कर 96.6 डॉलर प्रति बैरल** तक पहुंच गई।

यह स्तर लगभग छह सप्ताह का उच्चतम स्तर बताया गया। मध्य पूर्व में सैन्य तनाव बढ़ने के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई।

अगर संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है और ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होती है, तो कच्चे तेल की कीमतों पर आगे भी दबाव बने रहने की आशंका बढ़ सकती है।

महंगाई को लेकर फिर बढ़ी चिंता

कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल ने वैश्विक महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ा दीं। तेल महंगा होने का असर परिवहन, उत्पादन और रोजमर्रा की कई वस्तुओं की लागत पर पड़ सकता है।

निवेशकों को यह चिंता भी सताने लगी कि यदि ऊर्जा कीमतों में तेजी लंबे समय तक बनी रही, तो केंद्रीय बैंकों के लिए महंगाई पर नियंत्रण करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

ग्लोबल बॉन्ड यील्ड में तेजी से बढ़ा दबाव

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच वैश्विक बॉन्ड यील्ड में भी तेजी देखी गई। बाजार में यह आशंका बढ़ी कि लंबे समय तक ऊंची ऊर्जा कीमतें महंगाई को बढ़ा सकती हैं और इसके कारण ब्याज दरों में नरमी की उम्मीदों पर असर पड़ सकता है।

ऐसे माहौल में उभरते बाजारों पर दबाव बढ़ सकता है। भारत जैसे बाजारों में विदेशी निवेशकों की रणनीति भी वैश्विक जोखिम और ब्याज दरों के माहौल से प्रभावित हो सकती है।

भारतीय बाजार के लिए क्यों महत्वपूर्ण है कच्चा तेल ?

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में लगातार तेजी भारतीय अर्थव्यवस्था और कंपनियों की लागत पर असर डाल सकती है।

क्रूड महंगा होने से आयात बिल बढ़ने, रुपये पर दबाव आने और महंगाई बढ़ने जैसी चिंताएं पैदा हो सकती हैं। यही वजह है कि मध्य पूर्व में बढ़ने वाला भू-राजनीतिक तनाव भारतीय शेयर बाजार के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत बन जाता है।

निवेशकों की नजर अब आगे के घटनाक्रम पर

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के बाद अब वैश्विक निवेशकों की नजर आगे के सैन्य और कूटनीतिक घटनाक्रम पर रही। यदि तनाव जल्द कम होता है तो बाजार में कुछ स्थिरता लौट सकती है, लेकिन संघर्ष लंबा खिंचने पर कच्चे तेल की कीमतों और

वैश्विक जोखिम से बाजार पर दबाव बना रह सकता है।

भारतीय शेयर बाजार में भी निवेशकों की नजर अब **क्रूड ऑयल, विदेशी निवेश, रुपये की चाल, ग्लोबल बॉन्ड यील्ड और अमेरिका-ईरान तनाव** से जुड़े अगले संकेतों पर रही।

अमेरिका-ईरान के बढ़ते सैन्य तनाव ने बुधवार को भारतीय शेयर बाजार को जोरदार झटका दिया। सेंसेक्स करीब 700 अंक टूटा, निफ्टी 200 अंक से अधिक फिसला और ब्रेंट क्रूड 96.6 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया।

बढ़ती तेल कीमतों, महंगाई की आशंका और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में तेजी ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। आने वाले समय में बाजार की दिशा काफी हद तक **अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक निवेशकों के रुख** पर निर्भर रहने की संभावना रही।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.